इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
Indira Gandhi National Tribal University
अमरकंटक (म.प्र.) || Amarkantak (MP)

प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी
कुलपति

Ref. NO. IGNTU/2020/VC

Date: 11/05/2020

संदेश

प्रौद्योगिकी दिवस पर आप सभी को बधाई। आप सभी को यह ज्ञात होगा कि पोखरण परमाणु परीक्षण दिवस को प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है। 1998 में बुद्ध पूर्णिमा के दिन 11 मई को लब्ध प्रतिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 ए.पी.जे. कलाम जिन्हें ऋषि कलाम भी कहा जाता है, के नेतृत्व में सफल परमाणु परीक्षण हुआ था जिसकी सफलता का प्रतीक वाक्य था "बुद्ध मुस्कुराये"। इस प्रतीक वाक्य का आशय है कि भारत अब अपनी सुरक्षा में पूर्णतः समर्थ है तथा मित्र और सहयोगी देशों को सुरक्षा की गारण्टी दे सकता है। शांति और अहिंसा की स्थिति में ही बुद्ध मुस्कुराते हैं। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इसी उपलब्धि के साथ सामरिक संदर्भों में भारत को महाशक्ति बनाने की आधारशिला रख दी। इस परीक्षण के बाद एक जिम्मेदार 'परमाणु शक्ति' राष्ट्र के रूप मे भारत विश्व पटल पर प्रतिष्ठित हुआ। यह दिवस वैज्ञानिक सोच, ऋषि वैज्ञानिक गण के सम्मान तथा परमाणु शक्ति संवर्द्धन की उन्नत स्थिति से संबंधित है। नाभिकीय ऊर्जा एवं प्रौद्योगिक क्षमता की दृष्टि से भारत विश्व का एक प्रमुख राष्ट्र है। सर्वप्रथम भारत में ही परमाणु की खोज कणादि ऋषि के द्वारा की गयी थी, उन्होंने वट वृक्ष के बीज के माध्यम से परमाणु की व्याख्या की थी। भारतीय वैज्ञानिक परम्परा के शलाका पुरूष डॉ0 होमी जहॉगीर भाभा ने नाभिकीय ऊर्जा के क्षेत्र में राष्ट्र के लिए अतुलनीय योगदान किया है। नाभिकीय ऊर्जा और मिसाइल तकनीक के क्षेत्र में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। भारत सरकार की विभिन्न वैज्ञानिक, तकनीकी एवं रणनीतिक योजनाओं तथा परमाणु संयत्रों की उपादेयता, महत्ता एवं सुरक्षा संबंधी स्थिति के विकास में वैज्ञानिकों का महत्वपूर्ण योगदान है। भारत की तकनीकी, प्रौद्योगिकी और अभियांत्रिकी संस्कृति तथा ज्ञान की शाश्वत मेधा शक्ति का परिचय इस तथ्य से भी प्राप्त होता है कि सागर के ऊपर सबसे पहला पुल भारत द्वारा ही बनाया गया था और अब चांद और मंगल की दूरी हमने सहजता और सुगमता पूर्वक तय कर लिया है। वैज्ञानिक उपलब्धियों और प्रौद्यागिकी का राष्ट्र की समृद्धि और सुरक्षा के लिए उपयोग किया जाता है। आज हम प्रौद्यागिकी के हर क्षेत्र में प्रगति पथ पर अग्रसर हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव प्रत्येक क्षेत्र में बढ़ता जा रहा है। कोरोना रूपी अदृश्य शत्रु का सामना तकनीकी माध्यमों तथा इंटरनेट के द्वारा ही किया जा रहा है। हमारे पास समानांतर नेटवर्किंग की भी सुविधा होनी चाहिए ताकि किसी परिस्थिति में अथवा अंतरिक्ष युद्ध की स्थिति में सैटेलाइट संचार की विफलता का सामना किया जा सके। वैकल्पिक नेटवर्किंग और कम्युनिटी नेटवर्क के लिये हमें निरंतर प्रयास करना चाहिये, हमारे द्वारा एक नवीन प्रकार का सूचना तंत्र विकसित होना चाहिए ताकि संकेत, ध्वनि, वायु एवं भूतल के स्पंदन से सूचनाएँ हमारे पास पहुँच सकें। भारतीय परंपराओं का अपना महत्व है और समय–समय पर इनका मूल्यांकन भी होना चाहिए, यदि परंपराएँ प्रामाणिक होंगी तो अवश्य आगे तक जायेंगी। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री जी उच्च शिक्षा में वैज्ञानिक नवाचार और अनुसंधान के लिए निरंतर प्रोत्साहित करते रहते हैं। समकालीन संदर्भों में वैश्विक राजनीतिक फलक पर महानायक के रुप में प्रतिष्ठित भारत के प्रधानमंत्री माननीय मोदी जी के संरक्षण और निर्देशन में भारत वैज्ञानिक प्रगति की नई ऊँचाईयों को स्पर्श कर रहा है।

कलयुग का अर्थ है कलपुर्जों का युग। तकनीकी कुशलता और औद्योगिक सामर्थ्य से समृद्धि और सफलता के द्वार खुलते हैं। तकनीकी के क्षेत्र में भारत विश्व का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बने, ऐसा सदैव प्रयास होना चाहिए। जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान एवं जय वैज्ञानिक का ध्यान करते हुए तकनीकी कौशल और दक्षता को लोक कल्याण हेतु व्यावहारिक धरातल पर उतारने का संकल्प फलीभूत किया जा सकेगा और इन सभी का सम्मान करते हुए ही ज्ञान, ध्यान और विज्ञान से ही विश्व की विद्यमान समस्याओं का निदान सम्भव है, इसी से विकास के सभी मानक तय होंगे तथा मानवता का कल्याण होगा। आने वाले दिनों में भारत अपने वैज्ञानिकों के बल पर विश्व पटल पर सर्वोच्च और सर्वश्रेष्ठ ज्ञान शक्ति के रुप में प्रतिष्ठित होगा। देश के वैज्ञानिक इस दिशा में अपना निरंतर योगदान कर रहे हैं। निश्चय ही इस विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाओं से दक्ष आचार्यों द्वारा एवं मेधा के धनी विद्यार्थियों द्वारा लोकोपयोगी अनुसंधान की दिशा में नये कीर्तिमान स्थापित होंगे। इसी आशा और दृढ विश्वास के साथ आप सभी के लिये अनन्त मंगलकामनाएं ...

(प्रो0 श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी)

Amarkantak, District – Anuppur, Madhya Pradesh, PIN 484887
Phone : 07629 269710 || Fax 07629 269712 || eMail : vc@igntu.ac.in || website :www.igntu.ac.in